साप्ताहिक करंट अफेयर्स ५-९ जुलाई २०२१

Important News: India

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के 6 साल

चर्चा में क्यों?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रम के लॉन्च किए जाने के 6 वर्ष पूरे होने पर डिजिटल इंडिया के लाभार्थियों से बातचीत की।

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री का संबोधन:

- डिजिटल इंडिया एक मजबूत भारतीय की अभिव्यक्ति है जो 21वीं सदी में उभर रही है।
- डिजिटल सशक्तिकरण के कारण युवा आपको नई ऊंचाइयों पर ले जाते रहेंगे। इस दशक को **'भारत के टेकेड'** के रूप में बनाने में मदद करेंगे।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की विभिन्न योजनाएं:

- डिजिलॉकर
- ई कॉमन सर्विस सेंटर
- प्रधानमंत्री स्वानिधि योजना
- ई-संजीवनी योजना
- आरोग्य सेतु
- टीकाकरण के लिए COWIN ऐप
- दीक्षा ऐप
- e-NAM ऐप

नोट:

- **भारत नेट योजना** के अंतर्गत गांवों में ब्रॉडबैंड इंटरनेट लाने के लिए मिशन मोड में काम चल रहा है।
- **PM WANI** के माध्यम से एक्सेस प्वाइंट बनाए जा रहे हैं ताकि ग्रामीण युवा बेहतर सेवाओं और शिक्षा के लिए हाई-स्पीड इंटरनेट से जुड़ सकें।

डिजिटल इंडिया के बारे में:

- **1 जुलाई 2015** को **भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च किया गया**, डिजिटल इंडिया भारत सरकार की अन्य प्रमुख योजनाओं के लिए सक्षम और लाभार्थी दोनों है।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यह सुनिश्चित करता है कि ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में सुधार और इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाकर या देश को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर सरकार की सेवाएं नागरिकों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं।

स्रोत: PIB

निपुण (NIPUN) भारत कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने **समझ के साथ पढ़ने तथा संख्या गणना में निपुणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत)** को लॉन्च किया।
- निपुण भारत का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बच्चा 2026-27 तक ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता और संख्यागणना कौशल आवश्यक रूप से प्राप्त कर सके।

प्रमुख बिंदु

- यह मिशन केंद्र प्रायोजित योजना **समग्र शिक्षा** के तत्वावधान में शुरू किया गया।
- यह मिशन बच्चों को स्कूली शिक्षा के मूलभूत वर्षों में पहुंच प्रदान करने और उन्हें स्कूल में बनाए रखने; शिक्षक क्षमता निर्माण; उच्च गुणवत्ता और विविध छात्र और शिक्षक संसाधन/लर्निंग सामग्री का विकास; और सीखने के परिणामों को प्राप्त करने में प्रत्येक बच्चे की प्रगति पर नज़र रखने के लिए है।
- निपुण भारत का उद्देश्य 3 से 9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की सीखने की जरूरतों को पूरा करना है।
- निपुण भारत की सफलता मुख्य रूप से शिक्षकों पर निर्भर करेगी। इसलिए शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया जाएगा।
- **NCERT** द्वारा **NISHTHA (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट)** के तहत मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल के लिए एक विशेष पैकेज तैयार किया जा रहा है और पूर्व प्राथमिक से प्राथमिक ग्रेड में पढ़ाने वाले लगभग 25 लाख शिक्षकों को FLN पर इस वर्ष प्रशिक्षित किया जाएगा।

नोट: 2021-22 में फाउंडेशनल स्टेज के लिए विभिन्न उपायों को लागू करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समग्र शिक्षा योजना के तहत 2688.18 करोड़ रुपये की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

समग्र शिक्षा के बारे में:

- यह एक क्षेत्र-व्यापी विकास कार्यक्रम है जो **सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE)** की तत्कालीन मौजूदा केंद्र प्रायोजित योजनाओं को शामिल करता है।एकीकृत योजना में पूर्व-विद्यालय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एक निरंतरता के रूप में 'विद्यालय' की परिकल्पना की गई है।
- राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर एकल राज्य कार्यान्वयन सोसायटी (SIS) के माध्यम से विभाग द्वारा समग्र शिक्षा को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित किया जाता है।

शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (SDG):

- योजना का दृष्टिकोण शिक्षा के लिए **सतत विकास लक्ष्य (SDG)** के अनुसार पूर्व-विद्यालय से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।
- लक्ष्य **SDG-4.1 में** कहा गया है कि '2030 तक, सुनिश्चित करें कि सभी लड़के और लड़कियां मुफ्त, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करें जिससे प्रासंगिक और प्रभावी सीखने के परिणाम प्राप्त हों'।
- **SDG 4.5** कहता है कि '2030 तक शिक्षा के क्षेत्र में लिंग असमानता को खत्म करने और शिक्षा के सभी स्तरों के बराबर का उपयोग करता है'।

स्रोत: PIB

जेंडर संवाद

चर्चा में क्यों?

- ग्रामीण विकास मंत्रालय के **दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)** और **'महिलाओं और लड़कियों को अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाने के लिए जरूरी कदम' (IWWAGE)** ने दूसरे जेंडर संवाद का आयोजन किया।
- जेंडर संवाद COVID-19 के प्रभाव के संदर्भ में राज्यों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए गए कार्यों को प्रदर्शित करता है।
- जेंडर संवाद ने 2021 में COVID महामारी के दौरान भोजन, पोषण और स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए DAY-NRLM के प्रयासों और ग्रामीण भारत में बदलाव की कहानियों पर रोशनी डालते हुए **दो सार-संग्रह** जारी किए।

प्रमुख बिंदु

जेंडर संवाद के बारे में:

- जेंडर संवाद **DAY-NRLM** और **'महिलाओं और लड़कियों को अर्थव्यवस्था में सशक्त बनाने के लिए जरूरी कदम' (IWWAGE)** के बीच एक संयुक्त प्रयास है जिसे ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **नोट:** 6 करोड़ से अधिक महिलाओं को भारत के सबसे बड़े आजीविका कार्यक्रम का हिस्सा बनाने के साथ DAY-NRLM ने उन्हें स्वयं सहायता समूहों (SHGs) और ग्रामीण गरीबों के संघो के रूप में संगठित करके उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है।
- **DAY-NRLM (दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के बारे में:** DAY-NRLM भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है। भारत में गरीबों, विशेष रूप से महिलाओं के मजबूत संस्थानों के निर्माण के माध्यम से गरीबी में कमी को बढ़ावा देने के लिए, और इन संस्थानों को वित्तीय सेवाओं और आजीविका की एक श्रृंखला का उपयोग करने के लिए सक्षम करना है।
- **आजीविका - NRLM** ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जून 2011 में शुरू किया गया था।
- नवंबर 2015 में, कार्यक्रम का नाम बदलकर DAY-NRLM (दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) कर दिया गया।

संग्रह:

- **पहला संग्रह:** इनमें से एक सार-संग्रह राज्य मिशन और सामुदायिक संस्थानों के जरिए भोजन, पोषण, स्वास्थ्य और वॉश को मजबूत करने के DAY-NRLM के प्रयासों पर आधारित है।
- **दूसरा संग्रह:** दूसरे सार-संग्रह में 2021 में COVID संबंधित महामारी के दौरान ग्रामीण भारत में बदलाव और दूसरी लहर के दौरान और बाद में कैसे स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं की आवश्यकताओं में सहायता की, इस पर कहानियां दी गई हैं।

स्रोत: PIB

केंद्र सरकार ने LIC चेयरमैन की सेवानिवृत्ति उम्र 62 साल तक बढ़ा दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार **भारतीय जीवन बीमा निगम (स्टाफ) विनियम, 1960** में संशोधन करके IPO बाध्य LIC के चेयरमैन की सेवानिवृत्ति उम्र बढ़ा कर 62 साल के लिए कर दी है।
- नियमों में किए गए बदलावों **को भारतीय जीवन बीमा निगम (स्टाफ) संशोधन नियम, 2021** कहा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- पिछले महीने, सरकार ने चालू वित्त वर्ष के अंत में बीमाकर्ता के प्रस्तावित प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव के मद्देनजर LIC के चेयरमैन एम आर कुमार को मार्च 2022 तक नौ महीने के विस्तार को मंजूरी दी थी।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

नोट:

- भारतीय स्टेट बैंक सहित कुछ अपवादों को छोड़कर अधिकांश सार्वजनिक उपक्रमों के शीर्ष अधिकारियों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है।

भारतीय जीवन बीमा निगम के बारे में:

मुख्यालय: मुंबई

चेयरमैन: एम आर कुमार

संस्थापक: भारत सरकार

स्थापना: 1 सितंबर 1956

स्रोत: इकोनॉमिक्स टाइम्स

केंद्र सरकार ने नये 'सहकारिता मंत्रालय' का गठन किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्र सरकार ने **'सहकार से समृद्धि'** के स्वप्न को साकार करने के लिए एक अलग **'सहकारिता मंत्रालय'** का गठन किया है।
- सहकारिता के लिए अलग मंत्रालय का गठन भी वित्त मंत्री द्वारा की गई बजट घोषणा को पूरा करता है।

प्रमुख बिंदु

- यह मंत्रालय देश में सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढांचा प्रदान करेगा।
- हमारे देश में सहकारिता आधारित आर्थिक विकास मॉडल बहुत प्रासंगिक है जहां प्रत्येक सदस्य अपनी जिम्मेदारी की भावना के साथ कार्य करता है।
- यह मंत्रालय सहकारी समितियों के लिए **'कारोबार में सुगमता'** के लिए प्रक्रियाओं को कारगर बनाने और **बहु-राज्य सहकारी समितियों (MSCS)** के विकास को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करेगा।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

मत्स्य कृषकों के लिए "मत्स्य सेतु"

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने **ऑनलाइन पाठ्यक्रम मोबाइल ऐप** "मत्स्य सेतु" लॉन्च किया।
- 'मत्स्य सेतु' ऐप को **ICAR-केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (ICAR-CIFA), भुवनेश्वर** द्वारा **राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड (NFDB), हैदराबाद** के वित्त पोषण समर्थन के साथ विकसित किया गया हैं।

प्रमुख बिंदु

- **मत्स्य सेतु** ऐप का उद्देश्य देश के जलकृषकों के लिए नवीनतम मीठाजल कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रसार करना है।
- ऐप में प्रजाति-वार / विषय-वार स्व-शिक्षण ऑनलाइन पाठ्यक्रम मॉड्यूल हैं, जहाँ प्रसिद्ध जलकृषि विशेषज्ञ कार्प, कैटफ़िश, स्कैम्पी जैसी व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण मछलियों के प्रजनन, बीज उत्पादन और ग्रो-आउट संवर्धन पर बुनियादी अवधारणाओं और व्यावहारिक प्रदर्शनों की व्याख्या करते हैं। मर्रेल, सजावटी मछली, मोती की खेती आदि।

संबंधित पहल:

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY):

- 10 सितंबर, 2020 को, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच वर्ष की अवधि अर्थात 2020-21 से 2024-25 तक 20,050 करोड़ रुपए के अनुमानित निवेश से PMMSY का शुभारंभ किया था।
- PMMSY का लक्ष्य 2024-25 तक 22 मिलियन मीट्रिक टन तक मछली उत्पादन अर्जित करना है और साथ ही लगभग 55 लाख लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार के अवसर जुटाना है।

मत्स्य और जलकृषि अवसंरचना विकास निधि (FIDF):

- FIDF जिसकी शुभारंभ 7,522.48 करोड़ रूपए के साथ 2018-19 में किया गया था समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य दोनों क्षेत्रों में मत्स्य अधोसंरचना सुविधाओं के निर्माण को पूर्ण करेगी।

नील क्रांति:

- दिसंबर 2015 में शुरू की गई केंद्र प्रायोजित योजना "नील क्रांति" को ध्यान में रखते हुए, इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

किसान क्रेडिट कार्ड (KCC):

- सरकार ने मछुआरों और मछली किसानों को KCC की सुविधा प्रदान करने से उन्हें कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

नोट:

- भारत एक अग्रणी मछली उत्पादक देश है और दुनिया में जलीय कृषि के माध्यम से मछली का दूसरा प्रमुख उत्पादक देश है।
- भारत वैश्विक मछली उत्पादन में लगभग 7.7% का योगदान देता है और देश मछली उत्पादों के वैश्विक निर्यात में चौथे स्थान पर है।
- **21 नवंबर, विश्व मत्स्य दिवस**
- **10 जुलाई, राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस**

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट फेरबदल और नए मंत्रियों का पोर्टफोलियो

- **केंद्रीय मंत्रिपरिषद** में कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हैं।
- परिषद का नेतृत्व भारत के प्रधानमंत्री करते हैं।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल भारत में सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है।
- अनुच्छेद 75 के अनुसार केवल प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्री के पद के मंत्री केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य है।

नवीनतम कैबिनेट मंत्रियों की सूची और उनके विभाग:

पोर्टफोलियो	**मंत्री**
प्रधानमंत्री कार्मिक मंत्री, लोक शिकायत और पेंशन परमाणु ऊर्जा विभाग अंतरिक्ष विभाग सभी महत्वपूर्ण नीतिगत मुद्दे और अन्य सभी विभाग जो किसी भी मंत्री को आवंटित नहीं किए गए हैं।	नरेंद्र मोदी
रक्षा मंत्री	राजनाथ सिंह

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

विदेश मंत्री	सुब्रह्मण्यम जयशंकर
गृह मंत्री सहकारिता मंत्री	अमित शाह
वित्त मंत्री कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री	निर्मला सीतारमण
सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री	नितिन गडकरी
वाणिज्य और उद्योग मंत्री उपभोक्ता मामलों, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री कपड़ा मंत्री	पीयूष गोयल
महिला और बाल विकास मंत्री	स्मृति जुबिन ईरानी
कानून और न्याय मंत्री	किरेन रिजिजू
जनजातीय मामलों के मंत्री	अर्जुन मुंडा
शिक्षा मंत्री कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री	धर्मेंद्र प्रधान
कृषि और किसान कल्याण मंत्री	नरेंद्र सिंह तोमर
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री	वीरेंद्र कुमार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री रसायन और उर्वरक मंत्री	मनसुख एल मंडाविया
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्रम और रोजगार मंत्री	भूपेंद्र यादव
अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री	मुख्तार अब्बास नकवी
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री	महेंद्र नाथ पांडेय
संसदीय कार्य मंत्री कोयला मंत्रालय खान मंत्रालय	प्रल्हाद जोशी
जल शक्ति मंत्री	गजेंद्र सिंह शेखावत
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री	नारायण तातू राणे
पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्री	पुरुषोत्तम रूपाला
रेल मंत्री संचार मंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री	अश्विनी वैष्णव
बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री आयुष मंत्री	सर्बानंद सोनोवाल
ग्रामीण विकास मंत्री	गिरिराज सिंह

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

पंचायती राज मंत्री	
नागरिक उड्डयन मंत्री	ज्योतिरादित्य सिंधिया
इस्पात मंत्री	रामचंद्र प्रसाद सिंह
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री	पशुपति कुमार पारस
ऊर्जा मंत्री नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री	राज कुमार सिंह
संस्कृति मंत्री पर्यटन मंत्री उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री	किशन रेड्डी
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री आवास मंत्री और शहरी मामलों मंत्री	हरदीप सिंह पुरी
सूचना और प्रसारण मंत्री युवा मामले और खेल मंत्री	अनुराग ठाकुर

नोट:

- सरकार ने **लोक उद्यम विभाग (जो भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय का हिस्सा था)** को **वित्त मंत्रालय** के तहत लाने के लिए एक अधिसूचना जारी की है।
- वित्त मंत्रालय के अधीन अब 6 विभाग हैं।
- अन्य 5 विभाग आर्थिक मामलों, व्यय, राजस्व, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन, और वित्तीय सेवा विभाग हैं।

स्रोत: pmindia.gov.in

Important News: World

7वीं हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, हिन्द महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS), जो एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है, का 7वां संस्करण **ला रीयुनियन में फ्रांसीसी नौसेना** द्वारा आयोजित किया गया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- संगोष्ठी में तीन IONS कार्य समूहों जैसे मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR), समुद्री सुरक्षा और सूचना साझाकरण और अंतरसंचालनीयता पर पैनल चर्चा भी हुई। नैवल मैरीटाइम फाउंडेशन (NMF) ने भी HADR पर परिचर्चा में हिस्सा लिया।

हिंद महासागर नौसैनिक संगोष्ठी (IONS) के बारे में:

- यह हिंद महासागर क्षेत्र के तटीय राज्यों के बीच द्विवार्षिक बैठकों की एक श्रृंखला है।
- यह समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने, क्षेत्रीय समुद्री मुद्दों पर चर्चा करने और सदस्य देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सदस्य:

- IONS के **24 सदस्य** देशों को दक्षिण एशियाई, पश्चिम एशियाई, पूर्वी अफ्रीकी और दक्षिण पूर्व एशियाई और ऑस्ट्रेलियाई चार उप क्षेत्रों में बांटा गया है।
- **पर्यवेक्षक:** पर्यवेक्षक की स्थिति वाले 8 राज्य हैं।
- संगोष्ठी पहली बार **2008 में भारत के साथ** में मेजबान के रूप में आयोजित की गई थी।
- फ्रांस ने दो साल के कार्यकाल के लिए जून 2021 में अध्यक्ष पद ग्रहण किया है।

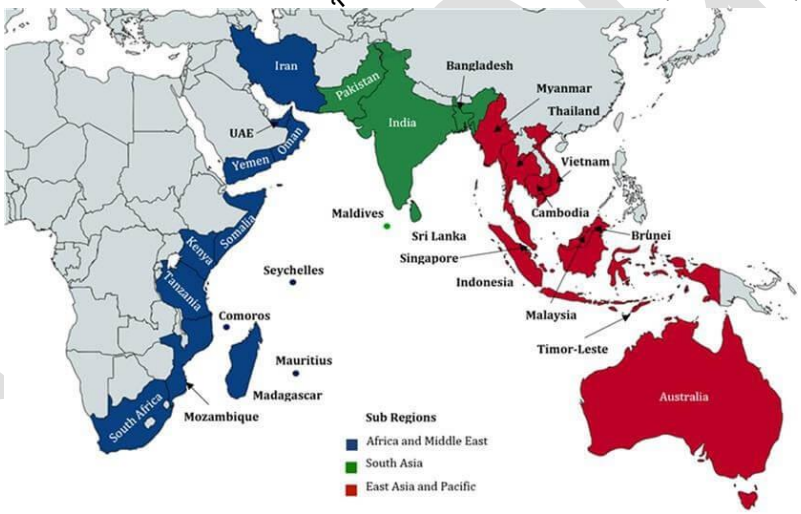

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) से जुड़े महत्वपूर्ण समूह/पहल:

- हिंद महासागर आयोग
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (IORA)
- एशिया अफ्रीका ग्रोथ कॉरिडोर (AAGC)
- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR)

स्रोत: PIB

भारत OECD/G20 इंक्लूसिव फ्रेमवर्क टैक्स डील में शामिल हुआ

चर्चा में क्यों?

- भारत **आर्थिक सहयोग और विकास संगठन** (OECD) और **G20 इंक्लूसिव फ्रेमवर्क टैक्स डील में शामिल हो गया है।**

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **भारत और OECD/G20 के अधिकांश सदस्य आधार क्षरण और लाभ स्थानांतरण पर समावेशी ढांचे** ने अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण से उत्पन्न होने वाली कर चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक आम सहमति समाधान की रूपरेखा वाले एक उच्च-स्तरीय विवरण को अपनाया।
- प्रस्तावित समाधान में **दो घटक शामिल हैं- स्तंभ एक** जो बाजार के अधिकार क्षेत्र में लाभ के अतिरिक्त हिस्से के पुन: आवंटन के बारे में है और **स्तंभ दो** में न्यूनतम कर शामिल है और कर नियमों के अधीन है।

प्रमुख बिंदु

स्तंभ एक:

- यह डिजिटल कंपनियों सहित सबसे बड़े MNE के संबंध में देशों के बीच मुनाफे और कर अधिकारों का उचित वितरण सुनिश्चित करेगा।
- यह MNE पर उनके घरेलू देशों से उन बाजारों में कुछ कर अधिकार फिर से आवंटित करेगा जहां उनकी व्यावसायिक गतिविधियां हैं और लाभ अर्जित करें, भले ही फर्मों की वहां भौतिक उपस्थिति हो।

स्तंभ दो:

- यह न्यूनतम कर और विषय-से-कर नियमों के बारे में है (आय के सभी स्रोत कर के लिए उत्तरदायी हैं, बिना कर भत्ते को ध्यान में रखे)।
- यह वैश्विक न्यूनतम कॉर्पोरेट कर दर के माध्यम से देशों के बीच न्यूनतम मानक कर दर रखना चाहता है, जो वर्तमान में 15% प्रस्तावित है।

भारत को वैश्विक कर व्यवस्था लागू होने पर Google, Amazon और Facebook जैसी कंपनियों पर लगाए जाने वाले समान लेवी को वापस लेना होगा।

- ऑनलाइन विज्ञापनों के लिए एक अनिवासी सेवा प्रदाता को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक के भुगतान पर 6% की दर से लेवी 2016 से लागू है।

OECD/G20 बेस इरोजन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग प्रोजेक्ट:

- बेस इरोशन एंड प्रॉफिट शिफ्टिंग एक OECD/G20 प्रोजेक्ट है, जो बेस इरोजन और प्रॉफिट शिफ्टिंग टूल्स का इस्तेमाल करते हुए बहुराष्ट्रीय उद्यमों द्वारा टैक्स से बचने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने के लिए है।

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) के बारे में:

- यह 38 सदस्य देशों के साथ एक अंतर-सरकारी आर्थिक संगठन है, जिसकी स्थापना 1961 में आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी।
- **मुख्यालय:** पेरिस, फ्रांस

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

WHO ने चीन को मलेरिया मुक्त घोषित किया

चर्चा में क्यों?

- **चीन** को मच्छर जनित बीमारी को समाप्त करने के 70 साल के प्रयास के बाद **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** द्वारा **मलेरिया मुक्त** के रूप में प्रमाणित किया गया।
- **चीन** 1981 में ऑस्ट्रेलिया, 1982 में सिंगापुर और 1987 में ब्रुनेई के बाद **30 से अधिक वर्षों** में मलेरिया मुक्त घोषित होने **वाला पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में पहला देश** है।

प्रमुख बिंदु

- **चीन** ने अब लगातार चार वर्षों तक शून्य स्वदेशी मलेरिया के मामलों को बनाए रखा है, जो अनुमानित 30 मिलियन मामलों और 1940 के दशक में प्रति वर्ष 300,000 मौतों से कम है।

वैश्विक स्थिति:

- WHO द्वारा चीन 40वां प्रमाणित मलेरिया मुक्त क्षेत्र बन गया है।
- दर्जा हासिल करने वाले अंतिम देश अल सल्वाडोर (2021), अल्जीरिया और अर्जेंटीना (2019), और पराग्वे और उज्बेकिस्तान (2018) थे।

मलेरिया के बारे में:

- मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है जो परजीवी के कारण होती है जो संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छरों के काटने से लोगों में फैलती है।

WHO की विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार 2019 में दुनिया भर में मलेरिया के अनुमानित 229 मिलियन मामले थे। 2019 में मलेरिया से होने वाली मौतों की अनुमानित संख्या 409000 थी।

नोट: WHO ने अपनी 'ई-2025 पहल' के तहत 2025 तक मलेरिया उन्मूलन की क्षमता वाले 25 देशों की भी पहचान की है।

भारत में पहल:

- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 2016 में मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा (NFME)। NFME मलेरिया के लिए WHO की वैश्विक तकनीकी रणनीति, 2016-2030 के अनुरूप है।
- मलेरिया उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना, 2017-22
- चार राज्यों (पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश) में हाई बर्डन टू हाई इम्पैक्ट पहल
- हाई बर्डन वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक चलने वाले कीटनाशक जालों का वितरण

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- ICMR द्वारा मलेरिया उन्मूलन अनुसंधान गठबंधन-भारत (MERA-भारत)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Economy

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के 4 साल

चर्चा में क्यों?

- वित्त मंत्रालय ने टैक्स सुधार GST की चौथी वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए समय पर रिटर्न दाखिल करने और कर के नकद भुगतान के लिए 54,439 GST भुगतानकर्ताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय लिया है।
- **केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC)** इन करदाताओं को प्रशंसा प्रमाण पत्र जारी करेगा।

प्रमुख बिंदु

- इसके परिणामस्वरूप 54,439 करदाताओं की पहचान की गई है। इन करदाताओं में से 88% से अधिक सूक्ष्म (36%), लघु (41%) और मध्यम उद्यमों (11%) से हैं।
- अब तक 66 करोड़ से अधिक GST रिटर्न दाखिल किए गए हैं और कम दरों ने कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद की है, GST राजस्व में लगातार वृद्धि हुई है और लगातार आठ महीनों तक 1 लाख करोड़ रुपये से ऊपर रहा है।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के बारे में:

- GST एक अप्रत्यक्ष कर (या उपभोग कर) है जिसका उपयोग भारत में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर किया जाता है।
- यह एक व्यापक, बहुस्तरीय, गंतव्य-आधारित कर है।
- कर संग्रह के लिए वस्तुओं और सेवाओं को पांच अलग-अलग टैक्स स्लैब: 0%, 5%, 12%, 18% और 28% में बांटा गया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों, मादक पेय और बिजली पर GST के तहत कर नहीं लगाया जाता है और इसके बजाय अलग-अलग राज्य सरकारों द्वारा पिछली कर प्रणाली के अनुसार अलग से कर लगाया जाता है।
- GST, **1 जुलाई, 2017** को लागू किया गया था जिसमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट और 13 उपकर जैसे 17 स्थानीय लेवी शामिल हैं।

GST परिषद के बारे में:

- GST परिषद भारत में वस्तु एवं सेवा कर के संदर्भ के आधार पर किसी भी कानून या विनियमन को संशोधित करने, समाधान करने या प्राप्त करने के लिए एक शीर्ष सदस्य समिति है।
- GST परिषद का नेतृत्व **केंद्रीय वित्त मंत्री** करता है।

स्रोत: PIB

फ्रेट स्मार्ट सिटीज

चर्चा में क्यों?

- **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत लॉजिस्टिक्स डिवीजन** ने 'फ्रेट स्मार्ट शहरों' के लिए योजनाओं का अनावरण किया।
- मंत्रालय ने 'फ्रेट स्मार्ट सिटीज' पर वेबसाइट लॉन्च की और शहरों की माल ढुलाई में सुधार के लिए उठाये जा सकने वाले14 उपायों की रूपरेखा वाली एक विवरण पुस्तिका भी जारी की।

प्रमुख बिंदु

फ्रेट स्मार्ट सिटीज

- **फ्रेट,** सरल भाषा में, माल या कार्गो का मतलब है। इन्हें जहाज, ट्रेन, ट्रक या हवाई जहाज द्वारा ले जाया जा सकता है।

आवश्यकता:

- भारतीय शहर राष्ट्र की आर्थिक गतिविधियों को चला रहे हैं, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 63% से अधिक का योगदान करते हैं।
- यह और भी अधिक प्रासंगिक है क्योंकि शहरी माल ढुलाई की मांग अगले 10 वर्षों में 140 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- वर्तमान में भारतीय शहरों में ग्राहकों तक सामान पहुंचाने के अंतिम चरण में माल ढुलाई गतिविधियों की लागत भारत की बढ़ती ई-कॉमर्स आपूर्ति श्रृंखला की कुल लागत का 50 प्रतिशत है।

तत्काल आधार पर पहचाने जाने वाले **10 शहरों** से लेकर, अगले चरण में सूची को 75 शहरों तक विस्तारित करने की योजना है, जिसके बाद इसका विस्तार पूरे देश में किया जायेगा जिसमें सभी राज्यों की राजधानियों और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहर शामिल होंगे।

नोट: शहरों की लॉजिस्टिक पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत को लेकर सबसे पहले **19 जनवरी, 2021 को लॉजिस्टिक्स पर राज्यों के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन** के दौरान राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के साथ चर्चा की गयी थी।

फ्रेट स्मार्ट शहरों का महत्व:

- यह उम्मीद की जाती है कि भारत में इस दशक में 124 मिलियन लोगों को शहरों में जोड़ा जाएगा, जिससे शहरी माल की मांग में 140% की वृद्धि होगी। इसके अलावा, ई-कॉमर्स बाजार के 2022 तक बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है।

माल ढुलाई व्यवस्था में सुधार के उपाय:

- लॉजिस्टिक्स डिवीजन द्वारा जारी हैंडबुक शहरी माल ढुलाई प्रणाली को बढ़ाने के लिए 14 प्रमुख उपायों पर केंद्रित है। इसके अनुसार, उपायों को **चार श्रेणियों - वाहन उपयोग अनुकूलन, बुनियादी ढांचा विकास, मांग और भूमि उपयोग योजना, और प्रौद्योगिकी अपनाना** में विभाजित किया गया है।

लॉजिस्टिक्स डिवीजन के बारे में:

- लॉजिस्टिक्स डिवीजन की स्थापना 7 जुलाई, 2017 को भारत सरकार नियम, 1961 के परिणामस्वरूप वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में की गई थी।
- इसका उद्देश्य देश में लॉजिस्टिक्स सेक्शन के एकीकृत विकास के लिए नीतिगत बदलाव, मौजूदा प्रक्रियाओं में प्रगति, कमियों का पता लगाना और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की शुरुआत के माध्यम से एक कार्य योजना विकसित करना है।
- **फ्रेट स्मार्ट सिटी पहल** पर, लॉजिस्टिक्स डिवीजन भारत-जर्मन विकास सहयोग के तहत GIZ (जर्मनी), रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (RMI) और RMI इंडिया के साथ मिलकर काम कर रहा है।

स्रोत: PIB

GI प्रमाणित गुजरात के भालिया गेहूं का निर्यात

चर्चा में क्यों?

- **GI (भौगोलिक संकेतक)** प्रमाणित **भालिया किस्म के गेहूं** की पहली खेप **गुजरात से केन्या और श्रीलंका** को निर्यात की गई।

प्रमुख बिंदु

GI प्रमाणित भालिया गेहूं के बारे में:

- GI प्रमाणित गेहूं में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है और यह स्वाद में मीठा होता है।
- भालिया फसल प्रमुख रुप से गुजरात के भाल क्षेत्र में पैदा की जाती है। भाल क्षेत्र में अहमदाबाद, आनंद, खेड़ा, भावनगर, सुरेंद्रनगर, भरूच जिले शामिल हैं।

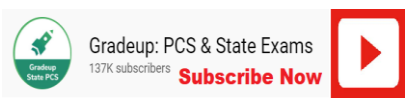

नोट:

- गेहूं की भालिया किस्म को जुलाई, 2011 में भौगोलिक संकेत (GI) प्रमाणन प्राप्त हुआ था।
- GI प्रमाणीकरण का पंजीकृत प्रोपराइटर आणंद कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात है।

भारत से गेहूं का निर्यात:

- वर्ष 2020-21 में, भारत से 4034 करोड़ रुपये का गेहूं निर्यात किया गया है। जो कि उसके पहले की वर्ष की तुलना में 808 फीसदी ज्यादा था। उस अवधि में 444 करोड़ रुपये का गेहूं निर्यात किया गया था।
- भारत ने वर्ष 2020-21 के दौरान यमन, इंडोनेशिया, भूटान, फिलीपींस, ईरान, कंबोडिया और म्यांमार जैसे 7 नए देशों को पर्याप्त मात्रा में अनाज का निर्यात किया।

भौगोलिक संकेत (GI) प्रमाणन:

- GI कुछ उत्पादों पर इस्तेमाल किया जाने वाला नाम या संकेत है जो एक विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल (उदाहरण के लिए, एक शहर, क्षेत्र या देश) से मेल खाता है।
- भारत में वस्तु के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण तथा बेहतर सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है।
- भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री चेन्नई में स्थित है।
- यह विश्व व्यापार संगठन (WTO) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलुओं का भी एक हिस्सा है।

नोट: दार्जिलिंग चाय 2004-2005 में भारत में पहला **भौगोलिक संकेत (GI)** टैग उत्पाद बना।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

Important News: Defense

DROD का शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम-10 m भारतीय सेना में शामिल

चर्चा में क्यों?

- **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)** द्वारा डिजाइन और विकसित **12 शॉर्ट स्पैन ब्रिजिंग सिस्टम (SSBS) -10 m** के पहले उत्पादन लॉट को भारतीय सेना में शामिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- **SSBS-10 m** सैनिकों की तेजी से आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 4 m चौड़ी पूर्ण सड़क प्रदान करता है और 9.5 m के अंतराल को एक स्पेन से पाटने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- DRDO की प्रमुख इंजीनियरिंग प्रयोगशाला अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, पुणे ने मेसर्स L&T लिमिटेड के सहयोग से इस प्रणाली को डिजाइन और विकसित किया है।
- यह 12 पुल उत्पादन एजेंसी मेसर्स L&T लिमिटेड से 102 SSBS-10 m का हिस्सा हैं।

स्रोत: PIB

Awards and Honours

उड़िया कवि डॉ राजेंद्र किशोर पांडा को कुवेम्पु पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया

चर्चा में क्यों?

- उड़िया कवि डॉ राजेंद्र किशोर पांडा को कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार 2020 के लिए चुना गया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- डॉ पांडा के 16 कविता संग्रह और एक उपन्यास प्रकाशित हो चुके हैं।
- उन्हें 2010 में गंगाधर राष्ट्रीय पुरस्कार और 1985 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

कुवेम्पु राष्ट्रीय पुरस्कार के बारे में:

- 1992 में स्थापित, राष्ट्रकवि कुवेम्पु ट्रस्ट ने भारत के संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त किसी भी भाषा में योगदान देने वाले साहित्यकारों को पहचानने के लिए 2013 में कुवेम्पु के नाम से इस राष्ट्रीय वार्षिक साहित्यिक पुरस्कार की स्थापना की।
- इस पुरस्कार में ₹5 लाख का नकद पुरस्कार, एक रजत पदक और एक प्रशस्ति पत्र दिया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

नासिक के सामुदायिक रेडियो स्टेशन ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

चर्चा में क्यों?

- **सूचना और प्रसारण मंत्रालय** द्वारा स्थापित **राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों के 8वें संस्करण** में नासिक, महाराष्ट्र के एक **सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'रेडियो विश्वास'** ने दो पुरस्कार हासिल किए हैं।
- रेडियो विश्वास 90.8 FM ने **"सस्टेनेबिलिटी मॉडल अवार्ड्स"** श्रेणी में **पहला पुरस्कार** और **"थीमैटिक अवार्ड्स"** श्रेणी में अपने कार्यक्रम COVID-19 के काल में **'एजुकेशन फॉर ऑल'** के लिए **दूसरा पुरस्कार** जीता है।

Teachers and students record lectures for 'Education for All' initiative

प्रमुख बिंदु

- **रेडियो विश्वास, विश्वास ध्यान प्रबोधिनी और अनुसंधान संस्थान, नासिक, महाराष्ट्र** द्वारा चलाया जाता है। इस संस्थान की शुरुआत से ही इस रेडियो स्टेशन से प्रसारण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों के बारे में:

- सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के बीच नवाचार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2011-12 में राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कारों की स्थापना की थी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इन सामुदायिक रेडियो स्टेशनों ने COVID-19 महामारी के दौरान संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज की तारीख में, भारत में विभिन्न राज्यों में 327 सामुदायिक रेडियो स्टेशन चल रहे हैं।

स्रोत: PIB

Sports

WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन को राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में सरकारी मान्यता मिली

चर्चा में क्यों?

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भारत में किकबॉक्सिंग खेल के प्रचार और विकास के लिए WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन को राष्ट्रीय खेल महासंघ (NSF) के रूप में मान्यता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

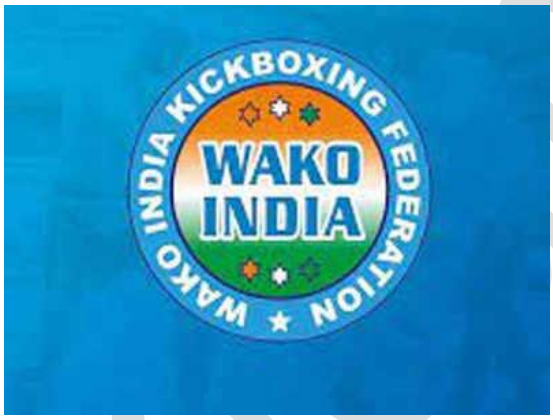

प्रमुख बिंदु

- WAKO इंडिया किकबॉक्सिंग फेडरेशन **वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ किकबॉक्सिंग ऑर्गनाइजेशन्स (WAKO)** से संबद्ध है, जो कि किकबॉक्सिंग के खेल के लिए अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन है।
- **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)** के कार्यकारी बोर्ड ने जून 2021 को अपनी बैठक में WAKO को खेल के ओलंपिक परिवार का पूर्ण रूप से मान्यता प्राप्त सदस्य बनने की सिफारिश को स्वीकृति दे दी है।
- WAKO 30 नवंबर 2018 से IOC का अस्थायी रूप से मान्यता प्राप्त सदस्य है।

नोट: WAKO की पूर्ण मान्यता अंतिम रूप से जुलाई 2021 में टोक्यो में IOC सत्र के दौरान तय की जाएगी।

स्रोत: PIB

Reports and Indexes

संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+) 2019-20 रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री, रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने भारत में स्कूली शिक्षा के लिए संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE+) 2019-20 से जुड़ी रिपोर्ट जारी की।
- UDISE+ 2019-20 रिपोर्ट के अनुसार, 2019-20 में स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सकल नामांकन अनुपात में 2018-19 की तुलना में सुधार हुआ है।
- स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्र शिक्षक अनुपात (PTR) में सुधार हुआ है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

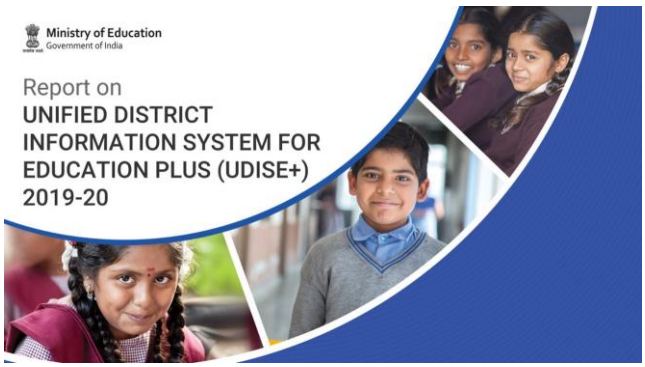

प्रमुख बिंदु

UDISE+ 2019-20 रिपोर्ट की मुख्य बातें:

- 2019-20 में पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक तक स्कूली शिक्षा में **कुल छात्रों** की संख्या 26.45 करोड़ के पार पहुंच गई। यह 2018-19 की तुलना में 42.3 लाख अधिक है।
- 2019-20 में (2018-19 से) उच्च प्राथमिक स्तर पर **सकल नामांकन अनुपात** बढ़कर 89.7% (87.7% से), प्रारंभिक स्तर पर 97.8% (96.1% से), माध्यमिक स्तर पर 77.9% (76.9% से) और उच्चमाध्यमिक स्तर पर 51.4% (50.1% से) हो गया।
- 2019-20 में 96.87 लाख शिक्षक स्कूली शिक्षा में लगे थे। यह 2018-19 की तुलना में लगभग 2.57 लाख अधिक है।
- 2019-20 में प्राथमिक के लिए **छात्र शिक्षक अनुपात (PTR)** 26.5, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक के लिए PTR 18.5 और उच्च माध्यमिक के लिए PTR 26.1 हो गया।
- 2019-20 में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक तक **लड़कियों का नामांकन** 12.08 करोड़ से अधिक है। यह 2018-19 की तुलना में 14.08 लाख की वृद्धि है।
- 2019-20 में (2018-19 से) उच्च प्राथमिक स्तर पर **लड़कियों का सकल नामांकन अनुपात** बढ़कर 90.5% (88.5% से), प्राथमिक स्तर पर 98.7% (96.7% से), माध्यमिक स्तर पर 77.8% (76.9% से) और उच्च माध्यमिक स्तर पर 52.4 प्रतिशत (50.8% से) हो गया।
- 2012-13 और 2019-20 के बीच, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक दोनों स्तरों पर **लिंग समानता सूचकांक (GPI)** में सुधार हुआ है।
- उच्चतर माध्यमिक स्तर पर **GPI में सबसे अधिक सुधार** हुआ, जो 2012-13 में 0.97 से बढ़कर 2019-20 में 1.04 हो गया।

संयुक्त जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस (UDISE) के बारे में:

- इसकी शुरुआत 2012-13 में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिए DISE को एकीकृत करने से हुई थी, जो स्कूली शिक्षा पर सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणाली में से एक है।
- UDISE+, UDISE का एक अद्यतन और उन्नत संस्करण है।

शिक्षा से संबंधित मुख्य योजनाएं:

- प्रधानमंत्री अभिनव शिक्षण कार्यक्रम (DHRUV)
- निष्ठा - स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल
- शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और समावेश कार्यक्रम (EQUIP)

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- दीक्षारम्भ
- परामर्ष
- विज्ञान में परिवर्तनकारी और उन्नत अनुसंधान के लिए योजना (STARS)
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA)
- सामाजिक विज्ञान में प्रभावशाली नीति अनुसंधान (IMPRESS)
- स्वयं प्रभा- DTH शैक्षिक चैनल
- शिक्षुता और कौशल में उच्च शिक्षा युवाओं के लिए योजना (SHREYAS)
- राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना
- प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक गठबंधन
- भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ट्रांस-डिसिप्लिनरी रिसर्च की योजना (STRIDE)
- दीक्षा

स्रोत: PIB

भारत ने वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक 2020 में 10 वां स्थान प्राप्त किया

चर्चा में क्यों?

- वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (GCI) 2020 के चौथे संस्करण में भारत 10वें स्थान पर है, जो 2018 में अपने पिछले GCI रैंक से 37 स्थानों की महत्वपूर्ण छलांग है।

प्रमुख बिंदु

- **रैंक 1:** अमेरिका
- **रैंक 2:** ब्रिटेन, सऊदी अरब
- **रैंक 3:** एस्टोनिया
- **रैंक 10:** भारत

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

नोट: साइबर सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए भारत ने **एशिया प्रशांत क्षेत्र** में भी **चौथा स्थान** हासिल किया है।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (GCI) के बारे में:

- GCI, **संयुक्त राष्ट्र** की एक विशेष एजेंसी **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** द्वारा निर्मित, विश्लेषण और प्रकाशित किया गया एक समग्र सूचकांक है जो अपने **194 सदस्य देशों** की साइबर सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को मापने के लिए है।
- GCI का आकलन साइबर सुरक्षा के **पांच स्तंभों** पर प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है जिसमें - (i) कानूनी उपाय, (ii) तकनीकी उपाय, (iii) संगठनात्मक उपाय, (iv) क्षमता विकास, और (v) सहयोग शामिल हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

New Appointments

पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

चर्चा में क्यों?

- पुष्कर सिंह धामी ने 11 सदस्यीय कैबिनेट के साथ उत्तराखंड के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

प्रमुख बिंदु

- पुष्कर सिंह धामी करीब चार महीने में उत्तराखंड के तीसरे मुख्यमंत्री हैं।
- धामी ने तीरथ सिंह रावत का स्थान लिया है, जिन्होंने लगभग चार महीने के कार्यकाल के बाद हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। मार्च 2021 में तीरथ सिंह रावत ने त्रिवेंद्र सिंह रावत की जगह ली थी।
- धामी पहाड़ी राज्य के उधम सिंह नगर जिले के खटीमा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

स्रोत: द हिंदू

8 राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति

चर्चा में क्यों?

- एक बड़े फेरबदल में, भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने 8 नए राज्यपालों को नियुक्त किया और उन्हें नए राज्यों के प्रशासन का प्रभार दिया। कई का तबादला कर दिया गया, जबकि अन्य को नई नियुक्तियां दी गईं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- केंद्रीय मंत्री और **भाजपा के राज्यसभा नेता थावरचंद गहलोत** को **कर्नाटक का राज्यपाल** नियुक्त किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- **थावरचंद गहलोत** को कर्नाटक का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **हरि बाबू कंभमपति** को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर** को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **मंगूभाई छगनभाई पटेल** को मध्य प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **सत्यदेव नारायण आर्य,** हरियाणा के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें त्रिपुरा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **पीएस श्रीधरन पिल्लई,** मिजोरम के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **बंडारू दत्तात्रेय,** हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, का तबादला कर उन्हें हरियाणा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।
- **रमेश बैस,** त्रिपुरा के राज्यपाल, का तबादला कर झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

स्रोत: द हिंदू

Obituaries

महान अभिनेता दिलीप कुमार का निधन

चर्चा में क्यों?

- महान अभिनेता दिलीप कुमार, जो बॉलीवुड के ट्रेजेडी किंग के रूप में लोकप्रिय थे, का 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

प्रमुख बिंदु

- दिलीप कुमार, असली नाम यूसुफ खान, मुगल-ए-आज़म, नया दौर, देवदास, राम और श्याम, अंदाज़, गंगा जमुना और मधुमती सहित भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक फिल्मों में दिखाई दिए।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

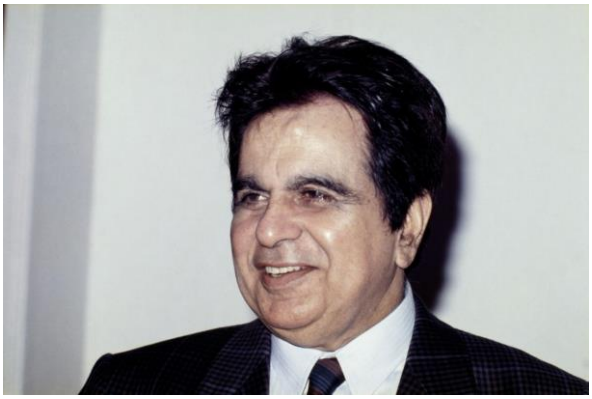

- वह **1954 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार जीतने वाले पहले अभिनेता** थे, और उन्होंने इसे कुल **8 बार** जीता था।
- उन्हें 1994 में दादा साहेब फालके और 2015 में पद्म विभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उन्हें पाकिस्तान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज भी मिला।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का निधन

- कांग्रेस नेता और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।
- वीरभद्र सिंह नौ बार के विधायक, पांच बार के सांसद और छह कार्यकाल के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री थे।
- अपनी मृत्यु से पहले, उन्होंने सोलन जिले के अर्की विधानसभा क्षेत्र से विधायक के रूप में कार्य किया।
- **स्रोत: द हिंदू**

Miscellaneous

भारतीय रेलवे का पहला चलता हुआ मीठे पानी की सुरंग में एक्वेरियन

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रेलवे ने **क्रांतिवीर संगोली रायन्ना (KSR) रेलवे स्टेशन, बेंगलुरु** (बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन) में पहला चलता हुआ मीठे पानी की सुरंग में एक्वेरियन खोला है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

- अमेज़न नदी की अवधारणा पर आधारित एक्वेरियम अपनी तरह का एक एक्वेटिक पार्क है।
- इसे **इंडियन रेलवे स्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (IRSDC)** द्वारा **HNi एक्वेटिक किंगडम के** सहयोग से **खोला गया है।**
- 12 फीट लंबा एक्वेटिक किंगडम भारतीय रेलवे का पहला पैलुडेरियम है जिसमें असंख्य वनस्पतियां और जीव हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

आयुष मंत्री ने आयुष क्षेत्र पर 5 महत्वपूर्ण पोर्टल लॉन्च किए

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय आयुष मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) किरेन रिजिजू ने **आयुष क्षेत्र पर 5 महत्वपूर्ण पोर्टल** का लॉन्च किए।
- उन्होंने भारत की पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणाली से संबंधित 4 प्रकाशन भी जारी किए।
- आयुष भारतीय लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए **राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन** में एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं।

प्रमुख बिंदु

पांच पोर्टल:

- **भारत की क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री पर आयुर्वेद डेटासेट- CTRI पोर्टल** विश्व स्वास्थ्य संगठन के अंतर्राष्ट्रीय क्लिनिकल परीक्षण रजिस्ट्री प्लेटफॉर्म के तहत क्लिनिकल परीक्षण का प्राथमिक रजिस्टर है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **CCRAS-अनुसंधान प्रबंधन सूचना प्रणाली (RMIS)**- ICMR और CCRAS का एक सहयोगात्मक प्रयास, यह पोर्टल आयुर्वेद आधारित अध्ययनों में अनुसंधान और विकास के लिए वन स्टॉप समाधान होगा।
- **e-Medha (इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल हेरिटेज एक्सेसेशन) पोर्टल-** NIC के ई-ग्रंथालय प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12000 से अधिक भारतीय चिकित्सा विरासत पुस्तकों के लिए ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग।
- **SHAI (शोकेस ऑफ आयुर्वेद हिस्टोरिकल इम्प्रिंट्स) पोर्टल-** SHAI पोर्टल शिलालेख, मूर्तियां, पुरातत्व-वानस्पतिक जानकारी, उन्नत पुरातत्व आनुवंशिक अध्ययन और भाषाशास्त्रीय स्रोतों को प्रदर्शित करता है।
- **AMAR (आयुष मैन्यूस्क्रिप्ट्स एडवांस्ड रिपॉज़िटरी) पोर्टल-** AMAR पोर्टल अत्यधिक मूल्य का है और इसने पुस्तकालयों में या व्यक्तिगत संग्रह में आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा की पांडुलिपियों और कैटलॉग को खोजने के लिए दुर्लभ और कठिन जानकारी को डिजिटाइज़ किया है।

चार प्रकाशन:

- एशिया में SOWA-RIGPA को परिरक्षण और संवर्धन करने पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की कार्यवाही
- आयुर्वेद-श्रृंखला-1, खंड-1 में वर्णित महत्वपूर्ण अनाजों का संग्रह
- पथ्यापथ्य विनिष्कया- आयुर्वेद की एक महत्वपूर्ण पुस्तक और इसमें आहार और जीवन शैली का विवरण है।
- आयुर्वेद संग्रह: आयुर्वेद की एक महत्वपूर्ण शास्त्रीय पाठ्यपुस्तक

राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (NDHM) के बारे में:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2020 पर NDHM की स्थापना की घोषणा की थी।
- NDHM भारत सरकार की एक एजेंसी है जो भारतीय लोगों को चिकित्सा पहचान दस्तावेज प्रदान करना चाहती है।
- यह पहचान दस्तावेज लोगों को आयुष्मान भारत योजना का उपयोग करने में सक्षम करेगा, जो भारत की सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित स्वास्थ्य देखभाल में एक सेवा है।

स्रोत: PIB

छह प्रौद्योगिकी नवाचार मंच

चर्चा में क्यों?

- **भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय** ने छह प्रौद्योगिकी नवाचार मंचों का उद्घाटन किया जो **भारत में विश्वस्तरीय प्रतियोगी विनिर्माण** के लिए तकनीक के विकास पर फोकस करेंगे।

प्रमुख बिंदु

- छह तकनीकी मंचों का विकास **IIT मद्रास, सेंट्रल मैन्युफैक्चरिंग टैक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट (CMTI), इंटरनैशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (iCAT), ऑटोमोटिव रिसर्च असोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI), BHEL और IISc बैंगलुरू के साथ HMT** ने किया है।

Follow us on Telegram
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- यह मंच उद्योग (OEMs, प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी और तृतीय श्रेणी की कंपनियों और कच्चे माल के निर्माताओं समेत), स्टार्टअप, डोमेन विशेषज्ञ/पेशेवरों, अनुसंधान और विकास संस्थानों और शिक्षाविदों (कॉलेज और विश्वविद्यालयों) को विनिर्माण तकनीकी के मुद्दों पर तकनीकी समाधान, सुझाव, विशेषज्ञों की राय आदि की सुविधा प्रदान करेंगे।
- 39000 से ज्यादा छात्र, विशेषज्ञ, संस्थाएं, उद्योग और प्रयोगशालाएं इन मंचों पर पहले ही पंजीकृत हो चुकी हैं।

भारतीय विनिर्माण उद्योग के मुद्दे:

- अपर्याप्त कुशल कार्यबल
- कड़े श्रम कानून
- अनुसंधान एवं विकास पर कम खर्च
- बुनियादी ढांचा

आगे का रास्ता

- कौशल प्रदान करना
- श्रम कानूनों में सुधार
- स्थिर विद्युत आपूर्ति
- अनुसंधान एवं विकास पर अधिक खर्च
- रसद लागत को कम करना

स्रोत: PIB

रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेला

चर्चा में क्यों?

- **टीम इंडिया 2021** ने **रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले (ISEF)** में 9 सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार और 8 विशेष पुरस्कार जीते।

प्रमुख बिंदु

- STEM -IRIS राष्ट्रीय मेले में अनुसंधान व नवाचार के लिए की गई पहल के 26 विजेताओं ने रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले में 'टीम इंडिया 2021' के रूप में भाग लिया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

रीजेनरॉन अंतरराष्ट्रीय विज्ञान और इंजीनियरिंग मेले (ISEF) के बारे में:

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में एक वार्षिक विज्ञान मेला है। इसका स्वामित्व और प्रबंधन सोसाइटी फॉर साइंस द्वारा किया जाता है, जो वाशिंगटन, DC में स्थित एक 501 गैर-लाभकारी संगठन है।

स्रोत: PIB

KVIC की परियोजना बोल्ड

चर्चा में क्यों?

- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत **खादी और ग्रामोद्योग आयोग** (KVIC) ने परियोजना **"सूखे भू-क्षेत्र पर बांस मरु-उद्यान"** (BOLD) शुरू किया है।
- परियोजना BOLD **राजस्थान के उदयपुर जिले के निकलमांडावा** के आदिवासी गांव से शुरू की जाने वाली देश में अपनी तरह की पहली परियोजना है।

प्रमुख बिंदु

परियोजना BOLD के बारे में:

- इसके लिए विशेष रूप से असम से लाए गए बांस की विशेष प्रजातियों- बंबुसा टुल्डा और बंबुसा पॉलीमोर्फा के **5,000 पौधों** को ग्राम पंचायत की लगभग 16 एकड़ खाली शुष्क भूमि पर लगाया गया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- इस तरह KVIC ने एक ही स्थान पर एक ही दिन में सर्वाधिक संख्या में **बांस के पौधे लगाने का विश्व रिकॉर्ड** बनाया है।

आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा:

- यह आयोजन खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस **"आजादी का अमृत महोत्सव"** के उपलक्ष्य में आयोजित खादी बांस महोत्सव का हिस्सा है।
- KVIC अगस्त 2021 तक गुजरात और लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी इसी तरह की परियोजना शुरू करने वाला है। KVIC अगस्त 2021 से पहले कुल 15,000 बांस के पौधे लगाएगा।

नोट: हाल ही में, अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र, ISRO ने भी भारत का **मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस** प्रकाशित किया था। जो समय सीमा 2018-19 के लिए अवक्रमित भूमि का राज्यवार क्षेत्र प्रदान करता है।

पर्यावरण को लाभ:

- भूमि क्षरण को कम करने, भूमि मरुस्थलीकरण को रोकने, सतत विकास प्राप्त करने और खाद्य सुरक्षा मुद्दों को हल करने के लिए बांस महान स्रोत हैं।
- भूमि मरुस्थलीकरण को रोककर, यह मिट्टी की बांझपन, मिट्टी के कटाव और वनों की कटाई जैसी संबंधित समस्याओं को हल कर सकता है।

मरुस्थलीकरण से लड़ने के लिए अन्य पहलें:

- मरुस्थलीकरण की रोकथाम के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (भारत इसका हिस्सा है)
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
- हरित भारत के लिए राष्ट्रीय मिशन

स्रोत: PIB

इटली में भारतीय सेना स्मारक

चर्चा में क्यों?

- **भारतीय सेना प्रमुख मनोज नरवणे** ब्रिटेन और इटली की अपनी यात्रा के दौरान **इटली के कैसिनो में भारतीय सेना स्मारक** का उद्घाटन करेंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध में, स्मारक 3,100 से अधिक राष्ट्रमंडल सैनिकों को याद करता है जिन्होंने इटली को मुक्त करने के प्रयास में भाग लिया था।
- इस स्मारक पर 900 भारतीय सैनिकों को भी याद किया गया।

प्रमुख बिंदु

इटली में भारतीय सेना:

- भारतीय सेना के तीन इन्फैन्ट्री डिवीजनों (चौथे, आठवें और दसवें डिवीजन) ने इतालवी अभियान में हिस्सा लिया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

द्वितीय विश्व युद्ध में भारत की भागीदारी:

- भारतीय सेना द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) के दौरान सबसे बड़ा स्वयंसेवी बल था, जिसमें 2.5 मिलियन (20 लाख से अधिक) भारतीय भाग लिए थे।

प्रथम विश्व युद्ध:

- प्रथम विश्व युद्ध (WWI) यूरोप में शुरू हुआ एक वैश्विक युद्ध था जो 28 जुलाई 1914 से 11 नवंबर 1918 तक चला।

द्वितीय विश्व युद्ध:

- द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) एक वैश्विक युद्ध था जो 1939 से 1945 तक चला था। इसमें दुनिया के अधिकांश देशों को शामिल किया गया था - सभी महान शक्तियों सहित - दो विरोधी सैन्य गठबंधन: मित्र राष्ट्र और धुरी शक्तियां।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

खादी प्राकृतिक पेंट: 'ब्रांड एंबेसेडर'

चर्चा में क्यों?

- **सड़क परिवहन और राजमार्ग और MSME मंत्री नितिन गडकरी** ने अपने आपको खादी प्राकृतिक पेंट का "ब्रांड एंबेसेडर" घोषित किया।
- नितिन गडकरी ने जयपुर स्थित खादी प्राकृतिक पेंट की नई स्वचालित निर्माण इकाई का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- नया संयंत्र कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान, जयपुर के परिसर में स्थापित किया गया है, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) की एक इकाई है।
- इससे पहले प्राकृतिक पेंट का निर्माण प्रोटोटाइप परियोजना पर मैन्युअली रूप से किया जा रहा था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

खादी प्राकृतिक पेंट के बारे में:

- खादी प्राकृतिक पेंट गाय के गोबर से बना भारत का पहला और एकमात्र पेंट है।
- इसे नितिन गडकरी द्वारा 12 जनवरी 2021 को लॉन्च किया गया था।
- इस नवाचार से अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए KVIC ने इस परियोजना को **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम** के तहत शामिल किया है, जो रोजगार सृजन के लिए केंद्र सरकार की एक प्रमुख योजना है।

स्रोत: PIB

गोवा में 52वां भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI)

चर्चा में क्यों?

- **सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर** ने **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव** (IFFI) के **52वें संस्करण** के लिए नियमों के साथ-साथ पोस्टर का विमोचन किया।
- यह फिल्म महोत्सव **20 से 28 नवंबर 2021 तक गोवा** में आयोजित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI) के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- IFFI को एशिया के सबसे पुराने और भारत के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में से एक माना जाता है।
- इस महोत्सव का आयोजन **भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय के फिल्म महोत्सव निदेशालय** द्वारा गोवा की राज्य सरकार और भारतीय फिल्म उद्योग के सहयोग से किया जाएगा।
- IFFI को **इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन** से मान्यता प्राप्त है।

नोट: 'सिनेमा में उत्कृष्टता के लिए सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' को इसी वर्ष से प्रदान करना शुरू किया गया है, जिसे हर साल **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव** में प्रदान किया जाएगा।

स्रोत: PIB

Gradeup

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now